रङ्गमञ्च

“एतद्रसेषु भावेषु
सर्वकर्मक्रियासु च ।
सर्वोपदेशजननं
नाट्यमेतद्भविष्यति ।।” ।। 113
एतद्रसेइज उ भावेसु
सर्वकर्मक्रियासु सीए|
सर्वोपदेशजनं नात्यामेतक-
भय्यात्रि ।

अर्थ

एहि नाटकसँ उत्पन्न क्रिया, परिस्थिति आ भावनाक माध्यमसँ सभक लेल शिक्षाप्रद होयत।

स्रोत: नाट्यशास्त्र, अध्याय I

मध्य चरण लेल रङ्गमञ्च

रचनात्मक, सकारात्मक आ हर्षित

रङ्गमञ्च सन विषयमे, जे कथा, अभिव्यक्ति आ कल्पनाक विषयमे अछि, कोनो गलत उत्तर नहि भेटत। छात्रसभकेँ बॉक्ससँ बाहर सोचबाक, विचारक सङ्ग प्रयोग करबाक लेल आ अद्वितीय तरीकासँ अपनाकेँ व्यक्त करबाक लेल प्रोत्साहित करब एकटा आदर्श वातावरण होयत। एकटा एहन कक्षा जे कोनो बच्चाक लेल अपन विचार स्वतन्त्र रूपसँ साझा करब सुरक्षित अनुभव करैत अछि, बिना उपहास कएल जाय वा हँसल जाय, ओ थियेटर कक्षाकेँ फलदायी बनओत। सहपाठीक बीच आपसी सम्मान आ समर्थनकेँ प्रोत्साहित करबाक लेल शिक्षकक सङ्ग-सङ्ग बच्चासभमे सेहो एहि मानसिकताक निर्माण समग्र शिक्षाकेँ बढ़ावा देबाक एकटा बढ़िया तरीका अछि।

रङ्गमञ्चकेँ वास्तविक विश्व कौशलसँ जोड़ू

जेना-जेना बच्चा सभ अपन आसपासक दुनियाक विषयमे बेसी बुझय लगैत अछि, परिस्थितिक सामना करैत अछि आ एहन भावनासँ निपटय लगैत अछि जे पहिने सँ बेसी जटिल अछि, रङ्गमञ्च आओर बेसी प्रासङ्गिक भऽ जाइत अछि। रङ्गमञ्चक माध्यमसँ प्राप्त कौशलपर जोर देब महत्वपूर्ण भऽ जाइत अछि। सहानुभूति लिंग आ असफलतासँ निपटबाक भावनात्मक कौशलक सङ्ग जीवन कौशल जेना सार्वजनिक भाषण, समस्या समाधान आ टीमवर्क छात्रसभकेँ अभिनेता वा निर्देशक होयबाक अतिरिक्त रङ्गमञ्चक व्यावहारिक अनुप्रयोगकेँ चिन्हबामे सहायता करैत अछि।

प्रदर्शनमे भाग लिअ'

छात्रसभकेँ लाइव प्रस्तुति देखबा लेल या अतिथि कलाकारकेँ अनबाक लेल प्रोत्साहित करब आ हुनका पेशेवरक समक्ष उजागर करब रङ्गमञ्च आ अपन कलात्मक आकांक्षाकेँ प्रेरित करब रङ्गमञ्च शिक्षामे बहुत मदति करत।

व्यक्तिगत सीखबाक शैलीकेँ समझू

अपन कक्षाक भीतर विविध सीखबाक शैलीकेँ चिन्हू आ समायोजित करू। किछु छात्र हाथसँ चलयवला गतिविधिसँ पनपि सकैत छथि, जखन कि किछु लिखित वा दृश्य शिक्षाकेँ पसिन्न कऽ सकैत छथि। बच्चाकेँ अपन संचारक साधन (लिखित या मौखिक) चुनबाक विकल्प प्रदान करू आ वैचारिक समझ पर ध्यान केन्द्रित करू। ई बच्चाक मनसँ तनाव हटा दैत छैक जाहिसँ मुक्त सोच आ रचनात्मकताक अनुमति भेटैत छैक।

सहयोग पर जोर दिअ'

रङ्गमञ्च एकटा सहयोगी कला रूप अछि। समूह गतिविधि, समूहक प्रदर्शन, आ सहयोगी परियोजनासभकेँ सम्मिलित कऽ टीमवर्क आ संचार कौशलक निर्माण करू। ई न केवल टीम कौशलक निर्माण करैत अछि, बल्कि व्यक्तिगत चरित्र आ योग्यता सेहो बढ़ाबैत अछि।

वृत्त समय

एकटा अभ्यास जे प्रत्येक कक्षामे शिक्षक द्वारा अनुसरण कएल जाय। अवधिक अन्तिम १० मिनट एहि वृत्त समयक लेल आवंटित कएल गेल अछि। शिक्षकक सङ्ग सभ बच्चा एक सङ्ग बैसैत छथि, जे विचार आ विचारक अनौपचारिक प्रतिबिंब जकाँ बुझाइत अछि। बच्चा सभ तखन खुलि कऽ खुलैत छथि जखन हुनका पता चलैत अछि जे कोनो अपेक्षा नहि अछि, कोनो अंक या ग्रेड संलग्न नहि अछि। ई महत्वपूर्ण जानकारीक स्रोत भऽ सकैत अछि जे कोनो परीक्षण या परीक्षा प्रदान नहि कऽ सकैत अछि। मुदा ई केवल बच्चाक लेल अनौपचारिक अछि। शिक्षकसभकेँ अपन लेल नोट लेबय पड़ैत छैक, जकरा हुनकर अगिला पाठ योजनामे लागू कएल जा सकैत छैक।

© NCERT not to be republished

अध्याय 16

भावनाक अनावरण भेल!

0680CH16

दृश्य 1

भावनाकेँ समझनाइ

जखन हम अपन पहिल रङ्गमञ्चक कक्षा शुरू करैत छी तखन एकटा शब्द लिखू जाहिसँ ई वर्णन कएल जा सकय जे अहाँ केहन अनुभव कऽ रहल छी।

आब हम सभ अन्वेषण करब, प्रयोग करब आ भावनाक सङ्ग खेलब! मजेदार लगैत अछि? आउ आब हम सभ चढ़ि जाउ हॉट सीट.

निर्देश: मूलभूत स्थिति अछि — हेड नीच्चाँ. आंखि बंद अछि। ध्यान दियौ।

अहाँ एकटा कहानी सुनब। एकरा ध्यान सं सुनियौ। कल्पना केनाई शुरू करू। कथामे पूर्ण रूपसँ सम्मलिति रहू। कथा अचानक बंद भऽ जाइत अछि आ अहाँकेँ शब्द सुनल जायत – 'देखू'। अहाँकेँ जल्दी सँ देखय पड़त आ ओहि परिस्थिति पर ओहि कहानी मे प्रतक्रियिा देबय पड़त जतय ई रुकल छल।

बेसिक: सरल स्थिति जे नाटकीय प्रतिक्रियामे समाप्त होइत अछि।

मूलभूत स्थान

स्कूल यात्राक घोषणा कएल जाइत अछि आ अहाँ अपन मायकेँ बताबय लेल उत्साहित छी। अहाँ सड़क पर चलि रहल छी, बरखा होए लगैत अछि। अहाँ दौड़नाइ शुरू कए देलहुं.

चूँकि अहाँ नीक जकाँ नहि देखि सकैत छी, अहाँ एकटा डेग छूटि जाइत छी आ नालीमे खसि पड़ैत छी।
आब ... देखू!

उदाहरण 1

उन्नत: पहिल प्रतिक्रियाक बाद कथा जारी रहैत अछि। ओ अन्तिम प्रतिक्रिया मे जम जाइत अछि आ सुनैत रहैत अछि... आ लुक पर प्रतिक्रिया करू। कथामे कतेको मोड़ आ मोड़ आनल जा सकैत अछि, जे कथाक प्रत्येक मोड़ पर प्रतिक्रिया लेल कहल जा सकैत अछि!

अवधारणा प्रस्तुत कएल गेल

- जीवन मे भावना, नाटक मे भावना
- भारतीय आओर पश्चिमी दृश्य
- मास्क बनाबै

© NCERT not to be republished

उदाहरण 2

मूलभूत स्थान

अहाँ राजकुमारी छी, जे जङ्गल मे घोड़ा पर सवार छी। जखन अहाँ कोनो परिचित आवाज सुनैत छी तखन अहाँ पाछू मुड़ि जाइत छी। ओ चेहरा बहूत परिचित लगैत अछि।

अहाँ याद रखबाक लेल बहुत कोशिश करैत छी... आ याद करू. ई पैतृक फोटोमे ओ व्यक्ति अछि जे 500 वर्ष पुरान अछि।
आब ... देखू!

फ्रीज

तखन अहाँ एहि व्यक्तिसँ भगबाक प्रयास करैत छी। मुदा ओ अहाँक पीछा कए रहल अछि। अहाँ तिव्रतासँ चलि रहल छी... ओ व्यक्ति एकटा ऊँच स्थान पर घूमैत अछि आ जेब सं किछु खसि पड़ैत अछि। ओ खिलौना जकरा सङ्ग अहाँ काइल्हि खेल रहल छलहुँ! देखू!

फ्रीज

'ओ हमर खिलौना हुनका लग कोना पहुँचल? कनेक प्रतिक्षा करु... हम एकरा महलक बाहर झाड़-झङ्झाड़मे हेरा देलहुं। पितियौत भाइ जे अहाँक सङ्ग खेल रहल छल ओ जरूर एकरा चोरा लेलक। अहाँ साहस करु आ ओकर असल प्रकृति देखएबाक लेल ओकरा कपड़ा पकड़ि कऽ घीचू। ई अहाँक चपल शरारती भैयारी छी! देखू!

विस्तारित: बच्चा स्वयंसेवक अपन कहानी बनबैत अछि आ 'पोजिशन', 'फ्रीज' आ 'लुक'क सङ्ग सुनाबैत अछि, जखन कि अन्य बच्चा प्रतिक्रिया दैत अछि।

ई वृत्त समय अछि!

- आइ हम सभ भावनाक अनुभव कएलहुँ ओकर सूची बनाउ।
- अहाँ के लगैत अछि जे सबसँ जटिल भावना की छल? कियै?
- की कोनो एहसास या भावना अछि जकर नाम अहाँ नहि लए सकैत छी? की अहाँ एकर वर्णन कए सकैत छी?

अहाँ जनैत छी, किछु परिस्थिति अछि जखन अहाँ दूटा भावना के अनुभव कए सकैत छी, एक सङ्ग। उदाहरणक लेल, अहाँ अपन मित्रक सङ्ग खेल रहल छी आ अहाँ खेल हारि जाइत छी किएक तँ ओहिमेसँ एकटा धोखा देलक। दुनू भावना की अछि?
दुखी (खेल हारबाक लेल) आओर क्रोधित (एकटा दोस्त धोखा देलक)

© NCERT not to be republished

जखन अहाँ कोनो पिल्लाकेँ बरखामे भीजल देखैत छी तखन अहाँकेँ कोन भावना अनुभव होयत, मुदा अहाँ मदति लेल बाहर नहि जा सकैत छी किएक तँ अहाँकेँ सर्दी अछि आ भारी बरखा भऽ रहल अछि।

_____आओर_____

हम सभ भावनाक एहन संयोजनसँ गुजरैत छी। कखनहु-कखनहु ई तीन भावना सेहो भए सकैत अछि! मुदा ओ ठीक अछि, जा धरि अहाँ जनैत छी जे अहाँ कोन भावनाक अनुभव कऽ रहल छी। चूँकि आब अहाँ न केवल अपन भावनाक पहचान कऽ सकैत छी बल्कि ओकर नाम सेहो राखि सकैत छी; अलग-अलग परिस्थिति मे अपन भीतर देखब बहुत महत्वपूर्ण अछि आ ई चिन्हब जे अहाँ कोन परिस्थिति सँ गुजरि रहल छी।

हम सभ रोज कतेको भावनासँ गुजरैत छी। लोक कतेको शताब्दीसँ भावनाक बारे मे सोचि रहल छथि। हम, मात्र एकटा खेल खेलि कऽ भावनाक कतेको नाम सूचीबद्ध कऽ सकैत छी। कल्पना करू जे कतेको साल धरि एहि पर काज कएलाक बाद ओ कतेक सूचीबद्ध कयने हेताह! अहाँ के लगैत अछि जे ओ कतेक सूचीबद्ध कएने हेताह? 50? 100? आउर? वास्तव मे, इ अछि... नौ!

बस नौ? केना? आन के बारे मे की? ई लोक के छथि?

बरखक अध्ययन, अवलोकन आ विश्लेषणक बाद प्राचीन ऋषि हमर देश के भावना के अवधारणा मे वर्गीकृत कएलक 'नवरस'। की अहाँ विश्वास कए सकैत छी जे सभ भावना जकर हम चर्चा कएने छी, ओकरा एहिमे वर्गीकृत कएल जा सकैत अछि नौ रस?

ई मुख्य रूपसँ दूटा मौलिक तत्वक आधार पर कएल जाइत अछि — स्वाद आओर भाव।

भव

मनक प्रमुख स्थिति।
धारणा, विचार आ दृष्टिकोणक आधार पर ई सहजतासँ नहि बदलैत अछि।

एतए लए जाइत

स्वाद

भावनात्मक सार।
परिणामस्वरूप अनुभव जे कोनो स्थिति, भावना या भावनामे अनुभव कएल जाइत अछि।

© NCERT not to be republished

की अहाँ ई देखलहुँ – एहन स्थितिमे जे अहाँ अनुभव करैत छी ओ अहाँक मित्रकेँ जे अनुभव करैत अछि ओहिसँ भिन्न अछि। कारण अछि एकरामे अंतर भव अहाँ दुनू मे। किएकि अहाँ के एकटा अलग छल भव (भिन्न दृष्टिकोण या विचार) इ एकटा अलग के जन्म देलक स्वाद (एहसास जे अनुभव भेल छल)।

रङ्गमञ्च

उदाहरण

1. अहाँ अपन मित्रक सङ्ग अपन पसंदीदा खेलक मैच देख रहल छी। अहाँक टीम जीतैत अछि। अहाँ रोमांचित छी। अहाँक मित्र खुश छथि मुदा बहुत उत्साहित नहि छथि किएक तँ हुनक प्रिय खेलाड़ी नीक स्कोर नहि कएलनि।
2. अहाँ अपन दोस्त के सङ्ग लञ्च कए रहल छी। कक्षामे एकटा धमकाबला अबैत अछि आ अहाँ दुनूक मजाक उड़ाबैत अछि, हँसैत अछि आ चलि जाइत अछि। अहाँ चिढ़ि जाइत छी, मुदा एकरा हटा दियौ आ कहू 'केकरा परवाह अछि'। अहाँ देखैत छी जे अहाँक मित्र कोनो कोना मे कानि रहल अछि, बहुत दुख महसूस कए रहल अछि।

एहि दुनू मामिलामे, यद्यपि परिस्थिति एक समान अछि, कोन भावना आ अनुभव उठैत अछि (स्वाद) एहि बात पर निर्भर करैत अछि जे अहाँ के कोन मूल दृष्टिकोण या विचार अछि (भव).

पैघ ऋषि भारत के, भावना आ मानव मन पर अपन काज मे एहि बारे मे सोचने छलाह। अपन अध्ययन के आधार पर, ओ वर्गीकृत केलक उथला (हमर अनुभव) मे नवरासास (नहला उथला).

आब, अहाँ ओ सभ भावनाकेँ फिट कए सकैत छी

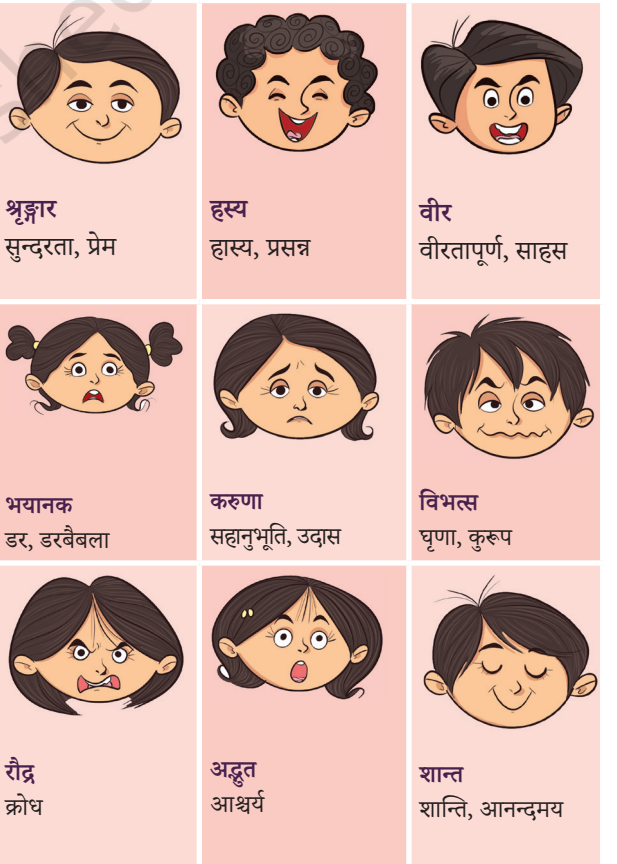

© NCERT not to be republished

जकर हम चर्चा कयने छी, एहि नौ मे सँ एकटा मे उथला! एकरा करबाक कोशिश करू।

नवरस खेल

एकरासँ परिचित होएबाक लेल ई मजेदार खेल खेलू नवरस। घींचू नवरासास कोठरीक केंद्र मे एकटा वृत्त मे। जखन सङ्गीत बजाओल जाइत अछि तखन सभ बच्चा वृत्तक चारू कात घुमैत अछि। सङ्गीत बंद भए जाइत अछि आ स्वाद जे बच्चाक निकटतम अछि ओकरा व्यक्त करबाक चाही। जे शिक्षार्थी प्रदर्शन नहि कऽ पाओत, ओ वृत्तसँ बाहर चलि जायत। सङ्गीत फेर बजाओल जाइत अछि आ तेँ ई चलैत रहैत अछि। वैकल्पिक रूपसँ वृत्तक बदला फर्श पर नौ टा बक्सा खींचल जा सकैत अछि।

एकर ई अवधारणा स्वाद, प्रदर्शन कला पर पैघ काजक बहुत छोट हिस्सा अछि। एहिमे कथा केना पढ़ल जाय एकर सबसँ बुनियादी विचारसँ लऽ कऽ प्राप्त होयबाक संभावना धरि सब किछु छैक। मोक्ष कला के माध्यम सँ! ई मैक सहित सभ चीजक बारेमे बजैत अछिई- यूपी, वेशभूषा, रोशनी, सङ्गीत, नृत्य, पूर्वाभ्यास, अनुशासन, सुरक्षा आ दर्शकक प्रति कलाक दायित्व।

प्रदर्शन कला पर एहि महान काजकेँ कहल जाइत अछि नाट्यशास्त्र, एकरा द्वारा लिखल **भरत मुनि.**

कोना देखलक आ एकटा रोचक कहानी जे ई सब केना शुरू भेल, कहल गेल नट्योतपट्टी (प्रदर्शन कलाक जन्म)

1 सभ देवताक देवता ब्रह्मा देखलनि जे देवता लोकनि बहुत हतोत्साहित भऽ गेल छथि आ आलसी। ओ सभ किछु नहि करैत समय बर्बाद केलक।

2 ब्रह्मा तखन संवादसँ चुनैत छथि ऋग्वेद, एकरासँ हलचल यजुर्वेद, सङ्गीत सं सामवेद आ एकरा सं भावना अथर्ववेद।

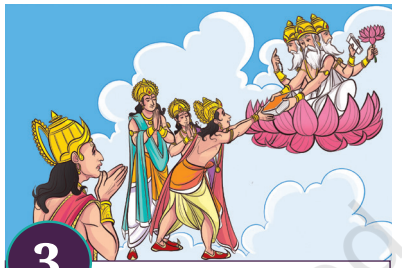

3 ओ एकटा अद्वितीय पुस्तक बनौलनि नाट्य वेद. ओ एकरा देवतासभकेँ एहि आशामे दैत छथि जे ओ एकरा पसिन्न करथि आ एकर उपयोग करथि।

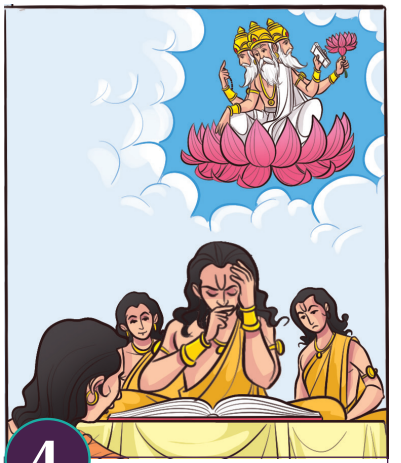

4 मुदा देवता सभ एहिमे किछु नहि बुझैत छथि नाट्यवेद। ओ सभ बहूत भ्रमित छथि।

5 तेँ ब्रह्मा एकटा बुद्धिमान ऋषि – भरत मुनिकेँ बजौलनि आ नाट्यवेदकेँ सरल बनयबाक लेल कहैत छथि। जाहि सं सभ एकरा बुझि जाए।

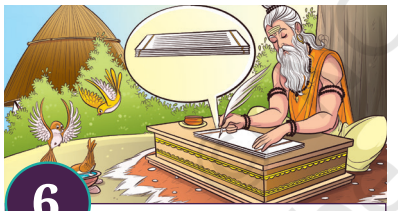

6 भरत मुनि तखन लिखैत अछि नाटकीयता। ओ अपन 100 संतान के एक सङ्ग लागू करए लेल लए जाइत छथि नाट्यशास्त्र आ एकटा प्रदर्शन प्रस्तुत करैत अछि।

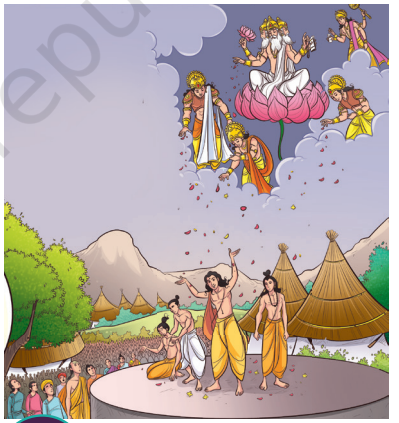

7 देवता लोकनि प्रदर्शन कलाकेँ देखि रोमांचित भऽ जाइत छथि। ओ प्रशंसा आ प्रशंसाक वर्षा करैत छथि आ एकरा अपन जीवनमे अनुकूलित करैत छथि।

ई कहानी हमरा कहैत अछि जे नाट्यशास्त्र प्रदर्शन कला पर एकटा किताब अछि जाहि मे शामिल अछि चारो सं निकालल गेल ज्ञान वेद आ आउर! एकरा पाँचम सेहो कहल जाइत अछि निषेध! एकर ई कहानी नट्योतपट्टी वास्तविक केहन अछि एकर पुस्तक नाट्यशास्त्र प्रारंभ होइत अछि। जँ अहाँ ई कहानी पढ़ने छी, एकर अर्थ अछि जे अहाँ पढ़नाइ शुरू कए देने छी नाट्यशास्त्र अपने! हम आगामी कक्षासभमे एकर विषयमे बेसी जानब जारी राखब।

© NCERT not to be republished

दृश्य २: भावनाक अन्वेषण

हमसभ एखन धरि मुँहक हाव-भाव केर बारे मे सीख चुकल छी। अहाँ बुझि गेल छी जे अहाँक मुँहक प्रत्येक भाग ई देखएबामे कोना योगदान दैत अछि जे अहाँ भीतर की अनुभव कऽ रहल छी। मुदा केवल चेहरा कियैक? की हमसभ नहि सीखलहुँ जे दूटा आओर महत्वपूर्ण पहलू अछि जे संवादमे मदति करैत अछि? ओ अछि - आवाज आ शारीरिक भाषा।

आउ एकरा अन्वेषण करबाक कोसिस करू नवरासास आवाज आ शारीरिक भाषा के माध्यम सं!

आब, हमसभ ओही खेल खेलैत छी हॉट सीट. मुदा एहि बेर, जखन अहाँ सुनैत छी 'देखूस्थिति पर प्रतिक्रिया देबाक लेल अहाँकेँ अपन आवाज आ शारीरिक भाषाक प्रयोग करबाक चाही। मजेदार लगैत अछि?

निर्देश: डिफ़ॉल्ट स्थिति अछि, माथ नीचा करू, आँखि बंद करू, ध्यान दियौ।

कथा के ध्यान सं सुनू। कथामे पूर्ण रूपसँ सम्मिलित रहू। कथा अचानक बंद भऽ जाइत अछि आ अहाँकेँ शब्द सुनल जायत – 'देखू'। अहाँकेँ जल्दी देखय पड़त आ ओहि स्थितिपर आवाज आ क्रियाक सङ्ग प्रतिक्रिया देबय पड़त।

बेसिक: सरल स्थिति जे नाटकीय प्रतिक्रियामे समाप्त होइत अछि।

उन्नत: पहिल प्रतिक्रियाक बाद कथा जारी रहैत अछि। ओ अन्तिम प्रतिक्रिया मे जम जाइत अछि आ सुनैत रहैत अछि... आ लुक पर प्रतिक्रिया करू। कथामे कतेको मोड़ आ मोड़ कएल जा सकैत अछि, जाहिमे कथाक प्रत्येक मोड़ पर प्रतिक्रिया पूछल जा सकैत अछि!

उदाहरण

रौद्र — क्रोध या क्रोध

चेहरा अभिव्यक्ति	शरीर भाषा	सभटा जोड़ल

दोसरक' लेल साधारण रेखाचित्र बनाबू रस केर नाम _____

चेहरा अभिव्यक्ति	शरीर भाषा	सभटा जोड़ल

© NCERT not to be republished

विस्तारित: बच्चा सभ स्वयंसेवी रूपसँ अपन कथा बनबैत छथि आ 'पोजिशन', 'फ्रीज', आ 'लुक'क सङ्ग सुनाबैत छथि, जखन कि अन्य बच्चा सभ प्रतिक्रिया दैत छथि।

ई देखब अद्भुत अछि जे अहाँ कोना न केवल स्थितिमे भावनाक पहिचान करबामे सक्षम छी अपितु एकर अभिव्यक्ति सेहो कऽ सकैत छी। अपना चेहरा, शरीर सं एकरा संप्रेषित करू आ आवाज। जेना हम सोचि रहल छलहुं जे लोक शताब्दी पहिने भावनाकेँ विश्लेषण केलक आ अन्वेषण केलक नवरस भारत मे। आब हम देखब जे आन देशमे प्रदर्शनमे भावनाकेँ केना देखल जाइत छल, आन देश मे।. भारतसँ बाहर प्रदर्शन कलाक सबसँ पुरान ज्ञात उत्पत्ति यूनानी रङ्गमञ्च अछि, जे लगभग पाँचम शताब्दी ईसा पूर्वमे अछि।

मनोरंजनक देवता डायोनिसस ग्रीसक मुख्य कृषि उपज अंगूरक नीक फसिलक कटाई बनाकऽ रखबाक लेल उत्तरदायी छलाह। तखन ग्रीसक लोक अपन भगवानकेँ प्रसन्न करबाक लेल डायोनिसियन पाबनि मनबैत छलाह। एहि अवधिमे ओ सभ डायोनिससक स्तुतिमे भजन गबैत छलाह आ कोरसकेँ दिथिराम्ब कहल जाइत छल। अनुष्ठानक एक हिस्साक रूपमे एकटा बकरीक बलि देल जाइत छल जखन कि गीत गाओल जाइत छल।

बकरी बलि अनुष्ठान (ओड) के दौरान गाओल गेल गीत के कारण 'ट्रागोडिया' (ट्रैग - उड़िया) शब्द बनल, जकर अर्थ अछि 'बकरी के गीत', जाहि सँ ई शब्द त्रासदी भेल।

एहि पर आधारित कथा आ प्रस्तुति पहिल नाटक छल। ओ सभ दुखद नाटक छल। ओ सभ गम्भीर छलाह आ नाटकक नायक (मुख्य पात्र) केँ या तँ दण्डित कएल गेल वा मरि गेलाक सङ्ग दुखद अन्त भेल।

बेसी सँ बेसी एहन कथा प्रस्तुत कएल जा रहल छल आ कतेको साल बाद, (लगभग चारिम शताब्दी ईसा पूर्व) कथासभमे परिवर्तन देखबय लागल जतय प्रसन्नता छल।

बेसी सँ बेसी एहन कथा प्रस्तुत कएल जा रहल छल आ कतेको साल बाद, (लगभग चारिम शताब्दी ईसा पूर्व) कथासभमे परिवर्तन देखबय लागल जतय प्रसन्नता छल।

ई वृत्त समय अछि!

- आइ अनुभव कएल गेल भावनाक सूची बनाउ।
- जखन अहाँ आवाज आओर क्रिया जोड़लहुं तखन की ई आसान छल? अथवा चेहरा के भाव आसान छल?
- की कोनो एहसास अछि जे अहाँ नाम नहि लए सकैत छी? की अहाँ एकरा आवाज, क्रिया अथवा अभिव्यक्तिक सङ्ग अभिनय कए सकैत छी?
- एक दिन मे बेर-बेर जे भावना अहाँ अनुभव करैत छी ओकर अवलोकन करू।

© NCERT not to be republished

मानचित्र नापबाक लेल नहि कलाकार प्रतिनिधित्व

डायोनिसस — मनोरंजनक यूनानी देवता

ओड कोनो घटना या व्यक्तिक महिमामंडन करबाक लेल एक प्रकारक गीत कविता थिक।

कथा मे अंत आ आनन्द। ई कॉमेडीक शुरुआत छल। त्रासदी जकाँ हास्य शब्दक उत्पत्ति यूनानी शब्द- 'कोमोस' (आनन्द) आ 'ओडिया' (गीत) सँ भेल अछि। हास्य नाटकक अंत सुखद होइत अछि। एहिमे अपन नाटकमे मनुष्य, पशु आ देवताक तत्व सम्मिलित अछि। ओहिमे नृत्यक दृश्य सेहो शामिल छल आ

ओड कोनो घटना अथवा व्यक्तिक महिमामंडन करबाक लेल एक तरहक गीत कविता थिक।

दर्शक या नाटककार के सङ्ग सोझे संवाद।

मुखौटा यूनानी रङ्गमञ्चक एकटा महत्वपूर्ण अंग छल। ई एहि कारणसँ सेहो जुड़ल अछि जे ओ लोकनि त्रासदीकेँ प्राथमिकता देलनि।

त्रासदी वास्तव मे गंभीर आ दुखद अछि। की यूनानी सभ समय दुखी रहब आ कानब पसिन्न करैत छल? नहि. ई हुनका लोकनिकेँ अपन दबायल भावना आ दर्दकेँ मुक्त करबामे सहायता कएलक। एकरा कैथार्सिस कहल जाइत अछि। अहाँ उच्च श्रेणी मे एकरा बारे मे बेसी जानब। मुखौटा चरित्रसँ सम्बन्धित होयबामे सहायता कएलक, अभिनय करयवला व्यक्तिकेँ नहि।

अहाँ जरूर एहि मुखौटा के कतेको बेर देखलहुं, ठीक? मुदा अहाँ के लगैत अछि जे ओ कोन चीज के प्रतिनिधित्व करैत अछि? हम जे पढ़लहुं ओहिसँ अहाँ अनुमान लगा सकैत छी।

त्रासदी आओर कॉमेडी

तेँ अगिला बेर जखन अहाँ एहि मास्ककेँ देखैत छी तखन अहाँकेँ एकर पाछूक खिस्सा पता चलि जाइत अछि।

क्रिया -कलाप — मुखौटा आओर भावना

क्रियामे एकटा ग्रीक नाटक

आउ मुखौटाक माध्यमसँ भावनाक अन्वेषण करू। मुदा मुखौटा चेहरा आ चेहरा के झाँपि दैत अछि

© NCERT not to be republished

भावना देखाबए के तरीका अछि। मुखौटा भावना कोना देखा सकैत अछि?

भावना देखाबए के तरीका अछि। मुखौटा भावना कोना देखा सकैत अछि?

यद्यपि अनेक प्रकारक मास्क अछि, मुदा हम ओहिमेसँ दूटा मास्कक अन्वेषण करब।.

कैंची आ गोंदक प्रयोग करैत समय सावधान रहू, अपन शिक्षकक देखरेखमे ओकर उपयोग करू!

कार्डबोर्ड मास्क (आधा): (कार्डबोर्ड, कैंची, गोंद आ रङ्ग)।

- चेहरा क' लेआउट बनाबू, सुनिश्चित करू जे अहाँक समरूपता सही अछि. सममित डिजाइन प्राप्त करबाक एकटा सरल तरीका अछि कागजकेँ मोड़ब (चित्र देखू)।
- आँखि आ नाककेँ चिन्हित करू, एहि तरहेँ दुनू पक्ष सममित आबि जायत, आँखि, नाक आ कान, वा कोनो अन्य विशेषताकेँ वांछित रूपसँ बाहर निकालबाक लेल अलग-अलग आकार आ डिजाइन जोड़ू।
- रङ्गीन कागज आ गोंदक सङ्ग रचनात्मक रूपसँ अतिरिक्त विशेषता मिलाउ।
- कार्डबोर्डकेँ मुँहक आकारक अनुसार बनयबाक लेल, सुनिश्चित करू जे अहाँ एकरा मोड़ैत छी, एकटा कोण काटि लिय आ फेर एकरा साटू।.

ई वृत्त समय अछि!

1. एकटा उदाहरण साझा करू जे अहाँ एकर विचारकेँ कोना देखलहुँ भव आओर स्वाद कोनो स्थिति के समझनाई।
2. जोड़बाक कोसिस करू नवरासास (प्राचीन भारत सँ) आ त्रासदी-हास्य (प्राचीन ग्रीस सँ)।
   - की उथला त्रासदी आ कॉमेडीक अन्तर्गत शामिल कएल जा सकैत अछि?
   - की एहन आओर भावना अछि जकरा एहिमे वर्गीकृत नहि कएल जा सकैत अछि?
3. ओ सभ भावनाक सूची बनाउ जे अहाँ एक दिन मे गुजरि गेल छलइ। सभकेँ क' समकक्ष नाम दिअ' स्वाद.
4. जखन अहाँ कोनो स्टोरीबुक पढ़ैत छी तखन प्रत्येक भावुक क्षणकेँ ओहि नामसँ चिन्हित करू जकर चर्चा कएल गेल अछि।

© NCERT not to be republished

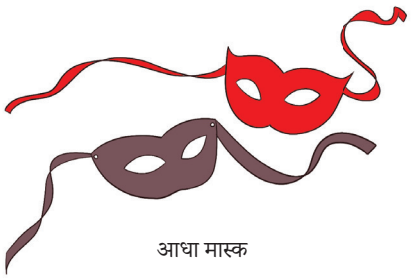

आधा मास्क

पूरा मास्क

क्रिया -कलाप - मुखौटा आओर भावना

आउ मुखौटाक माध्यमसँ भावनाक अन्वेषण करू। मुदा मुखौटा चेहरा आ चेहरा के झाँपि दैत अछि गुब्बारा, गोंद, कैंची, रङ्ग)।

- कागजक टुकड़ा (अखबार अथवा नियमित कागज) फाड़ि दियौ, एकरा पानिमे भीजय दियौ आ गुब्बाराक सतह पर सुचारू रूपसँ लगाउ।
- चित्रक अनुसार गुब्बाराक आधा भाग झांपि दियौ। कागज कैँ किनार पर ओवरलैप होएबा चाही. चेहरा के अलग-अलग आकृति के आनय के लेल गील कागज के परत के फेर सँ लगाउ।
- एकरा पूर्ण रूपसँ सूखबाक अनुमति दियौक, कागजक भीजल परत लगाबय, ओकरा सूखबाक प्रतीक्षा करबाक, परतसभकैँ फेरसँ लगाबय आ वांछित आकार प्राप्त करबाक ई प्रक्रिया लगभग लऽ सकैत अछि।
- गुब्बारा के फाटू आओर आकार के परिभाषित करए के लेल कागज के काटु।
- पात्रक अनुसार मुखौटाकैँ पेण्ट करू, अलग-अलग भावना आ अभिव्यक्तिकैँ सामने आनय लेल अलग-अलग रङ्गक उपयोग करू।

अलग-अलग उद्देश्य अछि जे मुखौटा पूरा करैत अछि। प्रदर्शन कलामे मुखौटाक उपयोग विविध अछि आ विभिन्न संस्कृति आ नाट्य परम्परामे पसरल अछि। चाहे पात्र, सांस्कृतिक प्रतीक अथवा गहन अर्थ के व्यक्त करब, मुखौटा एकटा शक्तिशाली आ बहुमुखी उपकरण अछि

प्रदर्शनक दुनिया। भारतमे 50 सँ बेसी प्रकारक शास्त्रीय मास्क अछि।

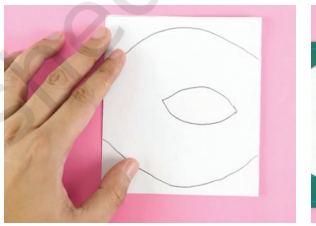

कागजकैँ आधामे मोड़ू आओर बाह्य रूपरेखाकैँ घींचू

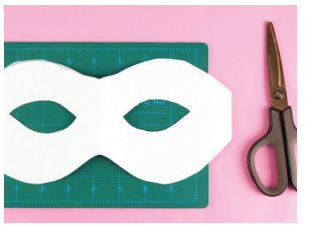

कैंची सं रेखा पर काटू

कार्डबोर्डकैँ कनेक मोड़बाक लेल सारणीक किनारक प्रयोग करू

अपन मुखौटा के रङ्ग, खोल, पंख या कोनो चीज सं सजाउ जे अहाँ चाहैत छी

© NCERT not to be republished

एतए किछु उदाहरण अछि —

समूह गतिविधि

- 3-4 छात्रक समूह बनाउ।
- नवरस सं एकटा रस चुनू।
- अपन स्थानीय संस्कृतिक डिजाइनक पहिचान करू।
- अपन स्थानीय सांस्कृतिक डिजाइनक सङ्ग ओहि रस (भावना) मे एकटा मुखौटा बनाउ।

नोट: अहाँ बनाबए लेल चुनि सकैत छी —

- गत्ता भरल मास्क।
- एकटा गुब्बारा सं कागजक मुखौटा।

उदाहरण

संस्कृति : एहिमे महाराष्ट्रक आदिवासी डिजाइन आ वारली कला अछि।.

भावना: भौंह आ आँखिक डिजाइन क्रोधित भावना (रौद्र) देखाबैत अछि।.

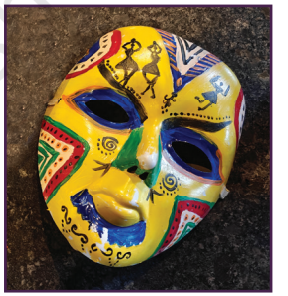

© NCERT not to be republished

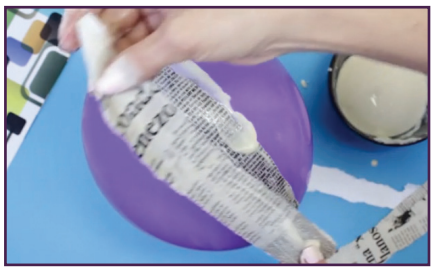

एकटा गुब्बारा पर गीला कागजक टुकड़ा। 5–6 परत। गोंद सहित अन्तिम परत

पूरा सूखलाक बाद, गुब्बारा के हटाबए लेल फटि दियौ।

आकार कैं परिभाषित करब क 'लेल आउटलाइन काटू (वयस्क क' मदद लिअ)

एकरा रङ्ग आ कोनो आन सामग्री सं सजाउ।

भावना देखाबू		संस्कृति देखाबू	
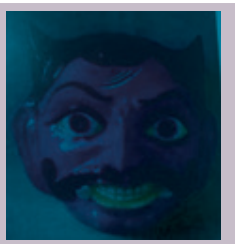	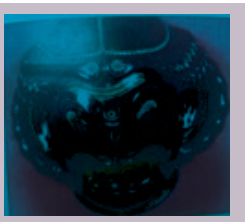		
आनन्द	क्रोध	पुरुलिया छाउ (पश्चिम बंगाल)	चाम (लद्दाख)

© NCERT not to be republished